RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 303
दि. 07.03.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर बजट बाद वेबिनार को संबोधित किया

इस वर्ष के केंद्रीय बजट ने कृषि और ग्रामीण परिवर्तन को नई दिशा प्रदान की है: पीएम

सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है, प्रमुख प्रयासों से किसानों के जोखिम कम हुए हैं और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है: पीएम

यदि हम उच्च मूल्य वाली कृषि को बढ़ावा दें, तो यह कृषि को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा: पीएम

निर्यात-उन्मुख उत्पादन बढ़ने से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित होगा: पीएम

मत्स्य पालन ग्रामीण समृद्धि के लिए एक उच्च मूल्य और उच्च प्रभाव वाला क्षेत्र और निर्यात वृद्धि का एक प्रमुख आधार बन सकता है: पीएम

सरकार एग्रीस्टैक के माध्यम से कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना विकसित कर रही है: पीएम

प्रौद्योगिकी तभी परिणाम देती है जब सिस्टम इसे अपनाएं हैं, संस्थान इसे एकीकृत करें हैं और उद्यमी इस पर नवाचार करें: पीएम

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बजट के बाद आयोजित तीसरे वेबिनार को संबोधित किया। इस वेबिनार का मुख्य विषय 'कृषि और ग्रामीण परिवर्तन' था। प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास से संबंधित पिछले सत्रों को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट तैयार करने के दौरान हितधारकों ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। श्री मोदी ने कहा कि अब बजट के बाद, यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि देश अपनी पूरी क्षमता का लाभ उठाए और इस दिशा में आपके सुझाव और यह वेबिनार इसलिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने 'पीएम किसान सम्मान निधि' और 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)' जैसे कई कार्यक्रमों पर बल दिया, जिनसे किसानों को डेढ़ गुना लाभ मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कृषि क्षेत्र को लगातार मजबूत किया है।

मौजूदा योजनाओं की सफलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत लगभग 2 लाख करोड़ रुपए के बीमा दावों का निपटारा किया गया है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि संस्थागत ऋण कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो गया है। श्री मोदी ने कहा कि इन अनेक प्रयासों से किसानों के जोखिम कम हुए हैं और उन्हें बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है।

खाद्यान्न और दालों के रिकॉर्ड उत्पादन पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी की दूसरी तिमाही की शुरूआत के साथ ही इस क्षेत्र में नई ऊर्जा डालने का आ'ान किया। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में इस दिशा में किए गए नए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि वेबिनार की चचाओं से बजट प्रावधानों के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस वेबिनार में हुई चर्चा और उससे प्राप्त सुझाव जमीनी स्तर पर बजट प्रावधानों को यथाशीघ्र लागू करने में सहायक साबित होंगे।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक मांग में हो रहे बदलावों और भारतीय कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उत्पादकता

और निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए भारत की विविध जलवायु का पूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया। श्री मोदी ने कहा कि इस वेबिनार में, हमारी कृषि को निर्यात-उन्मुख बनाने पर अधिकतम चर्चा करना आवश्यक है।

उच्च मूल्य वाली कृषि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कोको, काजू और चंदन जैसी फसलों के क्षेत्र-विशिष्ट संवर्धन के लिए बजट प्रस्तावों का विस्तृत विवरण दिया। श्री मोदी ने पूर्वोत्तर में अगरवुड और हिमालयी राज्यों में शीतोष्ण मेवों की फसलों को बढ़ावा देने के बजट प्रस्ताव पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्यात उन्मुख उत्पादन से प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के माध्यम से ग्रामीण रोजगार सृजित होगा। श्री मोदी ने कहा कि यदि हम सब मिलकर उच्च मूल्य वाली कृषि का विस्तार करें, तो यह कृषि को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में बदल देगा।

प्रधानमंत्री ने वैश्विक ब्रांडिंग और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों, उद्योग जगत और किसानों को शामिल करते हुए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने का आ'ान किया। उन्होंने स्थानीय किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के महत्व पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा कि इन सभी विषयों पर चर्चा से इस वेबिनार का महत्व और भी बढ़ जाएगा।

मत्स्य पालन क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। श्री मोदी ने आगे बताया कि हमारे विभिन्न जलाशयों और तालाबों में वर्तमान में लगभग 4.5 लाख टन मछली का उत्पादन हो रहा है, जबकि अतिरिक्त 20 लाख टन उत्पादन की अपार संभावना है। श्री मोदी ने कहा कि मत्स्य पालन, निर्यात वृद्धि का एक प्रमुख आधार बन सकता है।

केंद्रीय कृषि मंत्री आईआईटी मद्रास में नारियल संवर्धन योजना पर राष्ट्रीय हितधारकों की बैठक का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सात मार्च, 2026 को चेन्नई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी-मद्रास) में नारियल प्रोत्साहन योजना पर राष्ट्रीय हितधारकों की बैठक का उद्घाटन करेंगे।

केंद्रीय मंत्री इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नीतिगत दृष्टिकोण और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। वे नारियल किसान नेताओं के साथ बातचीत भी करेंगे। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव और नारियल उत्पादक दक्षिणी राज्यों के प्रमुख कृषि एवं बागवानी सचिवों सहित वरिष्ठ नीति निमार्ता विचार-विमर्श में भाग लेंगे। इस अवसर पर नारियल विकास बोर्ड के निर्वाचित प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

इस सम्मेलन में देश भर से 1,000 से अधिक नारियल किसान, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), शोधकर्ता, उद्यमी और नीतिगत हितधारक हिस्सा लेंगे।

हितधारकों की यह बैठक केंद्रीय बजट 2026-27 में नारियल प्रोत्साहन योजना की घोषणा के मद्देनजर आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारत के नारियल क्षेत्र को पुनर्जीवित करना और उसके सतत विकास को सुनिश्चित करना है, जो लगभग तीन करोड़ लोगों की आजीविका का समर्थन करता है, जिसमें लगभग एक करोड़ नारियल किसान शामिल हैं।

नारियल संवर्धन योजना में इस क्षेत्र की प्रमुख संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है, जिसमें घटती उत्पादकता, पुराने और कमजोर बागान, कीट एवं रोगों का प्रकोप, गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की कमी और सीमित मूल्यवर्धन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने 50 क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीएम ने कहा- शासन, प्रशासन और उद्योग जगत मिलकर प्रदेश के विकास और सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहे, पुलिस विभाग को दिए 50 क्यूआरटी दोपहिया वाहन

लखनऊ , (जीएनएस)। पहली बार लोकतंत्र में कानून व्यवस्था किसी चुनाव में मुद्दा बनी और इसी का परिणाम है कि आजादी के बाद पहली बार किसी सरकार ने अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सरकार बनायी। पुलिस विभाग ने वर्ष 2017 के बाद बिगड़े, अराजक, दंगाग्रस्त और कर्फ्यूग्रस्त राज्य को बदल करके सेफ यूपी के रूप में स्थापित किया। उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनाने की शुरूआत कड़ी

सुरक्षा से ही होती है। विकास की पहली शर्त सुरक्षा है। इसे उत्तर प्रदेश पुलिस ने साबित किया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन सभागार में कहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 50 क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने होंडा इंडिया फाउंडेशन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस को 50 क्यूआरटी दोपहिया वाहन प्रदान किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगी। यह समारोह उसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक है, जिसमें शासन, प्रशासन और उद्योग जगत मिलकर प्रदेश के विकास और सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री 8 मार्च को दिल्ली में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की लागत से कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के मजलिस पार्क – मौजपुर बाबरपुर (पिंक लाइन) और दीपाली चौक – मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री दिल्ली मेट्रो के चरण 5-ए विस्तार के तहत तीन नए कॉरिडोर की आधारशिला भी रखेंगे

प्रधानमंत्री जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन (जीपीआरए) पुनर्विकास योजना के तहत कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

इन परियोजनाओं का पुनर्विकास एक अभिनव, आत्मनिर्भर वित्तीय मॉडल के माध्यम से किया गया है, जिससे सरकारी खजाने पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा

'2030 तक भारत को शीर्ष 10 जहाज निमार्ता देशों में और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में शामिल करना सरकार का लक्ष्य' – रक्षा मंत्री

वैश्विक अनिश्चितताओं में प्रासंगिकता और तैयारी का एकमात्र तरीका आत्मनिर्भरता है: सागर संकल्प में रक्षा मंत्री का संबोधन

'अप्रैल 2026 तक रक्षा निर्यात लगभग 29,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद'

'भारतीय नौसेना की तत्परता, ऑपरेशन सिंदूर जैसी सफल कार्रवाइयों और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम यह दर्शाते हैं कि हमारा रक्षा क्षेत्र सही दिशा में आगे बढ़ रहा है'

'जहाजों को प्रौद्योगिकी केंद्रों में विकसित करना और इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के माध्यम से उन्हें वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना हमारा लक्ष्य'

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 6 मार्च, 2026 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड और एक निजी मीडिया संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रक्षा और समुद्री संवाद 'सागर संकल्प – भारत की समुद्री गौरव की पुनः प्राप्ति' का उद्घाटन करते हुए कहा, 'अनिश्चितता के वर्तमान युग में प्रासंगिकता और तैयारी का एकमात्र रास्ता आत्मनिर्भरता ही है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक स्थिति के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्निर्माण, नए समीकरणों का निर्माण और समुद्री गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हुई है, जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सरकार के संकल्प की पुष्टि करता है।

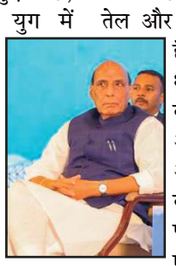

रक्षा मंत्री ने कहा, 'पुराने विचार, पुरानी वैश्विक व्यवस्था और पुरानी धारणाएं तेजी से बदल रही हैं। ये वो अनिश्चितताएं हैं जिन्हें हमें समझना होगा। मध्य-पूर्व की वर्तमान स्थिति इसका एक प्रमुख उदाहरण है। वहां जो हो रहा है वह काफी असामान्य है। मध्य-पूर्व या हमारे पड़ोस में भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में ठोस टिप्पणी करना मुश्किल है। होर्मुज जलडमरूमध्य या पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में अशांति होती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। इसके अलावा, हम अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर सीधा प्रभाव पड़ता है। वैश्विक परिदृश्य एक असामान्य स्थिति में है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि यह असामान्य स्थिति ही अब नए सिरे से सामान्य बनती जा रही है।'

श्री राजनाथ सिंह ने 'तकनीकी गतिशीलता' को आज की दुनिया का एक और महत्वपूर्ण तत्व बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी जीवन के हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव ला रही है, और रक्षा क्षेत्र में यह और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रक्षा क्षेत्र में उच्च स्तरीय और सटीक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार उभरती और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखती है।

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्पादन को गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा लागू किए गए संरचनात्मक और नीतिगत सुधारों का विस्तृत विवरण दिया, जिसमें पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, निष्पादन के मानकीकरण और अनुसंधान एवं विकास पर विशेष जोर दिया गया। रक्षा क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) को सरकार के आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण का एक प्रमुख स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि जहाज निर्माण क्षेत्र में, जीआरएसई और अन्य शिपयार्डों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है ताकि घरेलू औद्योगिक इकोसिस्ट टम को मजबूत और भविष्योन्मुखी बनाया जा सके। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य जहाजों को केवल उत्पादन इकाइयों के रूप में विकसित करना नहीं है, बल्कि उन्हें प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में विकसित करना है। बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, डिजिटल जहाज

जीईएम ने समावेशी सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देने के लिए स्वायत्त पहल के सात वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया

स्वायत्त ने जीईएम के माध्यम से स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और एसएचजी के लिए सरकारी खरीद तक पहुँच का विस्तार किया

महिला उद्यमियों ने जीईएम पर 83,323 करोड़ रुपये के ऑर्डर दर्ज किए; स्वायत्त के तहत स्टार्टअप्स ने 54,000 करोड़ रुपये का आँकड़ा पार किया

(जीएनएस)।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने आज अपनी प्रमुख पहल स्वायत्त – ई-लेन-देन के माध्यम से स्टार्टअप्स, महिलाओं और युवाओं को लाभ- के सात वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाते हुए देशभर के स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और युवाओं के लिए सार्वजनिक खरीद को अधिक समावेशी बनाने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

19 फरवरी 2019 को लॉन्च की गई स्वायत्त पहल की परिकल्पना स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, युवाओं, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और अंतिम छोर के विक्रेताओं को सरकारी ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से सार्वजनिक खरीद इकोसिस्ट टम में सीधे भाग लेने में सक्षम बनाते हुए सरकारी खरीद प्रणाली को सर्वसुलभ बनाने के विजन के साथ की गई थी।

जीईएम के सामाजिक समावेशन के मूल सिद्धांत पर आधारित स्वायत्त पहल उभरते उद्यमों के समक्ष अक्सर आने वाली तीन प्रमुख चुनौतियों—बाजार तक पहुँच, वित्त तक पहुँच और मूल्य संवर्धन तक पहुँच —से निपटने पर केंद्रित है। जीईएम के डिजिटल खरीद से संबंधित बुनियादी ढाँचे का उपयोग करते हुए यह पहल देशभर के उद्यमों को सरकारी खरीदारों से सीधे जुड़ने में सक्षम बनाती है, जिससे प्रवेश की बाधाएँ कम होती हैं और अवसरों का विस्तार होता है।

स्वायत्त की सात वर्षीय यात्रा को चिह्नित करने के लिए जीईएम कार्यालय में एक स्मारक कार्यक्रम का आयोजन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने ओडिशा के पारादीप में सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र-III का लोकार्पण किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज ओडिशा के भुवनेश्वर में ठऊड्ढ और डटऋ्रऊ के विकास कार्यो का उद्घाटन और ओडिशा सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने ओडिशा के पारादीप में सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र-क्क्क का लोकार्पण किया और सहकारिता विकास गोष्ठी को भी संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

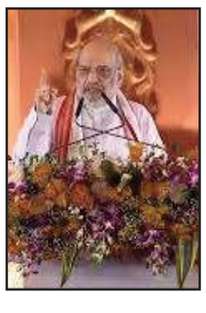

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन ओडिशा के विकास के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि आज एक ही दिन में 3770 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने कहा कि आज पारादीप में इफ्को का सल्फ्यूरिक एसिड का विशाल कारखाना लोकार्पित हुआ जिसके माध्यम से इफ्को अब सल्फ्यूरिक एसिड के मामले में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इफ्को और कृभको मिलकर पूरे देश को सल्फ्यूरिक एसिड के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज यहां गृह मंत्रालय की 3, सहकारिता मंत्रालय की 4 और ओडिशा सरकार की 173 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार की 173 योजनाओं में से 1230 करोड़ रूपए की लागत वाली 61 योजनाएं पूरी हो गई हैं और 2116 करोड़ रूपए की लागत वाली 112 योजनाओं का शिलान्यास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज यहां गृह मंत्रालय के दो विशिष्ट प्रयोजन –ओडिशा में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का भूमिपूजन हुआ है और एक अस्थायी कैंपस का भी उद्घाटन हुआ है। उन्होंने कहा कि यहां से ओडिशा के फोरेंसिक विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएट होते ही पक्की नौकरी वाले कोर्सेस के माध्यम से बहुत सारी संभावनाएं खुलेंगी जो देश की कानून और व्यवस्था को मजबूती देंगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज यहां तीन नूतन न्याय संहिताओं को आम नागरिकों, वकीलों, न्यायपालिका के सदस्यों और पुलिस अधिकारियों की समझ में आने वाली सरल भाषा में प्रदर्शनी का भी उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 150 साल बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मेंभारत के संविधान के अनुरुप, भारतीय संसद से पारित और भारत के लोगों के कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए पारित कानूनों से अब देश चल रहा है।

सम्पादकीय

नीतीश का राज्यसभा जाना बिहार राजनीति में हलचल मचा रहा

राज्यसभा जाने के पैसले के बाद जनता दल (यूनाइटेड) संसदीय दल की बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित अपने सरकारी आवास पर बुलाईं और पार्टी के सांसदों, विधायकों, एमएलसी और वरिष्ठ नेताओं से गहन विचार-विमर्श के बाद एक बात सामने जरूर आईं कि जेडीयू नेतृत्व बिहार की राजनीति भारतीय जनता पार्टी के साथ ही करना चाहती है किन्तु इसके लिए वह पार्टी में किसी भी तरह का बिखराव नहीं होने देना चाहती। नीतीश सहित पार्टी के सभी बड़े नेता यह मानते हैं कि उनकी पार्टी में एकजुटता के लिए या तो नीतीश अगुवाईं कायम रहे या उनके पुत्र निशांत राजनीति में प्रावेश करें और सक्रिय रूप से संगठन में पैसले लें।यही कारण है कि शुक्रवार को बैठक में यह पैसला सर्वसम्मति से लिया गया कि अब निशांत जेडीयू में शामिल किए जाएंगे और पूरे बिहार का दौरा करेंगे। बैठक के पहले ही पार्टी के एक वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिह यानि लल्लन सिह ने बड़ी बात कह दी। उन्होंने कहा कि नीतीश ही अगले मुख्यमंत्री का चयन करेंगे चाहे वह जेडीयू का हो अथवा भाजपा का। लल्लन सिह की बात भी सही है। भाजपा का नेतृत्व मुख्यमंत्री का चयन नीतीश की इच्छा के विरुद्ध करना भी नहीं चाहता। नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद सबसे ज्यादा मुश्किल उनकी पार्टी में ही आनी थी। कारण कि उनकी पार्टी में वुमा, ब्रा१ण और भूमिहार प्राभावशाली हैं किन्तु ये तीनों नीतीश की बात तो मानते हैं किन्तु यदि किसी एक जाति का मुख्यमंत्री बना दिया गया तो शेष दो जातियां नाराज होकर पार्टी के हितों के खिलाफ सक्रिय हो जाएंगी। इसलिए जरूरी है कि नीतीश न सिर्प अपने बेटे निशांत को राजनीति में सक्रिय करें बल्कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही बनवाएं जो उनके साथ समन्वय बनाकर चल सके। सच तो यही है कि भाजपा का संख्या बल चाहे जितना बड़ा होता, मुख्यमंत्री तो नीतीश ही बनते किन्तु जिस तरह उनका स्वास्थ्य खराब हुआ है और उन्होंने अण्ड-बण्ड बयानबाजी करना शुरू किया है, उससे राज्य सरकार की बदनामी हो रही थी। एक आम धारणा यह बन चुकी थी कि बिहार में सरकार अफसरशाही चला रही है। इसका नुकसान दोनों ही पार्टियों को होता। इसलिए नीतीश ने बिना किसी हिचक के राज्यसभा जाना स्वीकार कर लिया। यदि नीतीश का स्वास्थ्य अच्छा होता तो वे एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के सबसे उपयुक्त उम्मीदवार होते। लब्बोलुआब यह है कि इस वक्त जेडीयू के लिए सबसे बड़ी चुनौती सही दिशा भी है। यदि पार्टी नेतृत्व ने समझदारी से कार्यकताओं को वास्तविकता का एहसास नहीं कराया तो जेडीयू अवसाद की शिकार हो सकती है और स्थानीय स्तर पर भाजपा के साथ टकराव भी हो सकता है। इन सभी सच्चाइयों को नीतीश समझ रहे हैं इसलिए उन्होंने महसूस किया कि अब पार्टी को एकजुट रखना और पुत्र निशांत को राजनीति में सक्रिय करना ही उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। नीतीश और उनकी पार्टी के शीर्ष नेता यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल के 25 पर सिमटने के बाद निष्ठा में बदलाव का विकल्प बिल्वुल समाप्त हो चुका है, इसलिए राजनीति में सत्ता सुख चाहिए तो भाजपा के साथ बने रहना जरूरी है। नीतीश इस सच्चाईं को भी अच्छी तरह जानते हैं कि आज भाजपा अटल-आडवाणी की नहीं है जो नीतीश के लिए अपनी पार्टी के हितों के साथ समझौता करने को गलत नहीं मानते थे। किन्तु आज पार्टी मोदी-अमित शाह की है जो खुद को पार्टी का ट्रस्टी मानते हैं और सौदेबाजी को ये दोनों नेता अपना कर्तव्य समझते हैं। पार्टी के हितों के प्रति समर्पित नेतृत्व एक सीमा से ज्यादा अपने सहयोगी पार्टी को छूट देने की स्थिति में नहीं होता। वुल मिलाकर नीतीश भले ही स्वास्थ्य की दृष्टि से फिट नहीं हैं किन्तु वह इतने भी बीमार नहीं हैं जिनका मस्तिष्क भाजपा, जेडीयू संबंधों की हकीकत न समझ सके।

बिहार बीजेपी के सामने नीतीश का चक्रव्यूह! दिल्ली जाने से नहीं सुलझेंगी सियासी गुत्थियां, जानें अंदर का सच

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक अध्याय का अंत हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली जा रहे हैं। उसके बाद बिहार की राजनीति कौन सी करवट लेगी, इसे लेकर चचाओं का बाजार गरम है। सियासी जानकार मानते हैं कि बीजेपी की रणनीति भले सफल हो गई हो, लेकिन बिहार में बीजेपी की राह आसान नहीं होने वाली है।

पटनाः राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिल्ली भेजने भर से बीजेपी की राजनीतिक राहें बिहार में आसान होने नहीं जा रही है। पिछले तीन दशक के शासन काल में नीतीश कुमार ने विकास और सुशासन के इतने सारे मिल के पत्थर,खड़े किए हैं जो हर कदम पर आईने दिखाते रहेंगे। केवल नीतीश कुमार के दिल्ली चले जाने से किस किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजने भर से नीतीश के वोटर में जितना आक्रोश है उसका असर देखिए। जदयू विधायक नीतीश कुमार को राज्यसभा चुनाव हराने के तरकीब और कानूनी सलाह लेने लगे हैं। नाराज कार्यकर्ता जदयू कार्यालय में तोड़फोड़ करने लगे है।

जेडीयू के अंदर हलचल क्यों?

कार्यकर्ता जदयू के भीतर विभीषण खोज रहे हैं। नारा भी काफी उत्तेजना से भरा है। जूते मारो, जदयू के गद्दारों को। हद तो यह हो गई कि बिहार के चौक के चौराहों पर लालू और नीतीश कुमार के जिंदाबाद तक के नारे लगने लगे। गौर करें तो लालू यादव और नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारे से उस गोलबंदी की याद दिला दी जो वर्ष 2015 विधानसभा चुनाव में देखने को मिली थी। तब महागठबंधन यानी जेडीयू-आरजेडी-कांग्रेस ने 178 सीटें जीतीं, एनडीए ने 59 सीटें और अन्य को 6 सीटें मिलीं थी। दरअसल एनडीए सत्ता में जब कभी बनी तो वह नीतीश कुमार के कारण बनी रही। ऐसा इसलिए कि नीतीश कुमार के कारण कुर्मी,कुशवाहा, कहार,धानुक ,अत्यंत पिछड़ी जातियां और विकास

और सुशासन पसंद जनता एनडीए के रथ पर सवार हो जाती थी।

बीजेपी की राजनीति

बीजेपी सवर्ण और वैश्य की राजनीति कर लालू यादव के सामाजिक न्याय को ध्वस्त करते आई। ये वही राजद और जदयू का इकट्ठे उद्घोष हुआ करता था कि लालू यादव जंगल राज के नहीं सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। पिछल दिनों ऐसे ही तेवर की भरमार और उसका प्रकटीकरण ने बीजेपी के रणनीतिकारों की गति को रोक दिया। हाल तो यह है कि राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सपना की तरह राज्यसभा चुनाव को देख रहे हैं। पर जिस जनता के वे नायक हैं वे क्यों उनके चेहरा में उदासी और भय का संसार देख रही है। नीतीश कुमार कह रहे हैं- विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और अब राज्यसभा जाऊंगा। पर उनके समर्थक उसमे क्यों झूठ ढूंढ रहे हैं।

बीजेपी की मुश्किलें?

भाजपा की मुश्किले इस बात को ले कर भी बढ़ने वाली है कि साथी दल भी असहज हैं। चिराग पासवान ने तब यह कहा भी था कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। अब विपक्ष के आरोपों के बीच जदयू विखंडन से जूझ रहा है और अब यह पार्टी खत्म हो जाएगी। स्वर तो यह भी गूंजने लगे कि रालोमो पर भी बीजेपी ने मर्जर का दबाव बना दिया है। बीजेपी की राजनीति में आए इस बदलाव के बाद विपक्ष आक्रामक है और एनडीए के साथी दल अपनी बारी के इंतजार में।

महिला दिवस पर कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ बता रही हैं कि उनके लिए सशक्तिकरण का क्या अर्थ है।

प्रियंका चाहर चौधरी, जो कलर्स के सुपरनैचुरल शो 'नागिन' में अनंता का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं 'मैं चार बहनों वाले परिवार में पली-बढ़ी हूँ, इसलिए मजबूती हमारे जीवन का स्वाभाविक तरीका था। हमें हमेशा यह सिखाया गया कि स्वतंत्र होना कोई विकल्प नहीं, बल्कि जरूरी है। मेरे पिता हमेशा कहते थे - 'अगर तुम दुनिया में कदम नहीं रखोगी, तो सीखोगी कैसे?' मैंने देखा है कि महिलाओं पर लगाए गए कई प्रतिबंध उनकी क्षमता से नहीं, बल्कि सोच और परवरिश से आते हैं। मुझे यह अवसर मिलने का सौभाग्य है कि मैं नागिन में सर्प रानी अनंता का रूप लेकर शक्ति का प्रदर्शन कर सकूँ। हमारी संस्कृति में हम अक्सर देवी शक्ति और महादेव की बात करते हैं, और मुझे लगता है कि यह प्रतीकवाद यूँ ही नहीं है। शक्ति और सौम्यता साथ-साथ रह सकती हैं। मेरी इच्छा है कि और महिलाएँ अपनी 'सुपरपावर' पहचानें - चाहे वह कोई हुनर हो, कोई कला हो या कोई जन्मजात गुण। हर महिला को महिला दिवस की शुभकामनाएँ, जो अपनी प्रखर और कोमल दोनों ही पक्षों को अपनाती है।'

मानसी साल्वी, जो कलर्स के शो 'महादेव एंड सन्स' में भानु का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं - 'मुझे अच्छा लगता है कि महिला दिवस लोगों को रुककर यह सोचने पर मजबूर करता है कि महिलाएँ रोजाना किन परिस्थितियों से गुजरती हैं। लेकिन यह ठहराव सिर्फ एक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरे साल हमारी सोच बदलनी चाहिए। आज मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करता है यह देखना कि महिलाएँ कितनी मजबूती से एक-दूसरे के लिए खड़ी हो रही हैं। उस बहनापे में एक शांत शक्ति है - सीमाएँ तय करने में, 'ना' कहने में और उसके लिए माफी न माँगने में। भानु भी ऐसी ही महिला है। वह अपने विश्वासों पर अडिग रहती है, चाहे हालात कितने भी उलझे क्यों न हों। शो का नाम भले ही महादेव एंड सन्स है, लेकिन असल में कहानी को आगे बढ़ाने वाली और अपनी शक्ति गढ़ने वाली महिलाएँ ही हैं। इस महिला दिवस पर मेरी आशा है कि और महिलाएँ अपनी आवाज पर भरोसा करें, जगह बनाएँ और खुद पर शक करना बंद करें।'

कश्मीरा शाह, कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से, कहती हैं 'मेरे लिए महिला दिवस बड़े-बड़े बयानों से कम और महिलाओं की रोजमर्रा की ताकत को स्वीकारने से ज्यादा जुड़ा है। अब जब मैं दो बच्चों की माँ हूँ, तो मुझे एहसास हुआ है कि उदाहरण देकर नेतृत्व करना कितना महत्वपूर्ण है। मेरे बच्चे हमेशा देखते हैं कि मैं कैसे बोलती हूँ, दबाव को कैसे संभालती हूँ और अपने लिए कैसे खड़ी होती हूँ। मैं चाहती हूँ कि वे मजबूत महिलाओं का सम्मान करें, उनसे डरें नहीं। मैं चाहती हूँ कि वे समझें कि आत्मविश्वास किसी महिला में सामान्य है। मैंने कभी खुद को छोटा करने में विश्वास नहीं किया ताकि हालात दूसरों के लिए आसान हो जाएँ। अगर मेरी राय है, तो मैं कहूँगी। अगर मैं असहमत हूँ, तो मैं व्यक्त करूँगी। महिलाओं को बहुत सालों तक यह सिखाया गया है कि वे 'एडजस्ट' करें, नरम रहें और 'बहुत ज्यादा' न हों। मैं चाहती हूँ कि मेरे बच्चे एक ऐसी महिला देखें जो ईमानदार है, मेहनती है और खुद के प्रति आश्वस्त है। लाफ्टर शेफ़्स पर मैं कोई किरदार नहीं निभाती, मैं बस खुद को दिखाती हूँ - ईमानदार, अभिव्यक्तिपूर्ण, कभी तेज और कभी भावुक। यही असली है। और मुझे लगता है कि महिलाओं के लिए सबसे बड़ा उपहार यही है - अपनी प्रामाणिकता। मैं हर महिला से कहूँगी - दूसरों की सुविधा के लिए खुद को एडिट मत करो। सही लोग आपके साथ रहेंगे। महिला दिवस की शुभकामनाएँ हर उस महिला को जो अपनी राह खोज रही है। आप बिल्कुल ठीक कर रही हैं।'

ऐश्वर्या खरे, जो कलर्स के शो 'डॉ. आरंभि' में शीर्षक भूमिका निभा रही हैं, कहती हैं 'इस महिला दिवस पर मैं भारत की गृहिणियों को दिल से सलाम करना चाहती हूँ - वे महिलाएँ जो घर को रानी की तरह चलाती हैं। उनमें से कई ने डॉ. आरंभि में अपना प्यार डाला है और मैं आभारी हूँ कि इस शो के जरिए ऐसा असर बना सकी। यह बेहद भावुक कर देने वाला है कि महिलाएँ कहानी में दिखाई गई आत्म-त्याग को पहचानती हैं और लाखों दर्शक आरंभि के उठने का समर्थन कर रहे हैं। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होगी जब महिलाएँ और लड़कियाँ आरंभि की यात्रा से प्रेरणा लें - अपनी पहचान वापस पाने और डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने का साहस। इस महिला दिवस पर मैं हर महिला को याद दिलाना चाहती हूँ - आपके सपनों की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। अगर कोई सपना अब भी आपको पुकार रह

'कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026' का भव्य शुभारंभ

होली व चैत्र नवरात्रि स्पेशल

लखनऊ। होली और चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में 'कॉटन एंड सिल्क फैब प्रदर्शनी 2026' का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मोहनलालगंज के विधायक अमरेश कुमार के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक, और बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहे।

इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए 100 से अधिक मास्टर बुनकरों द्वारा तैयार किए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क व कॉटन हैंडलूम उत्पादों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम और टसर सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक डिजाइन के आकर्षक परिधान भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा कश्मीरी प्योर क्रेप की साड़ियां, प्योर सिल्क मार्क अप्रूव्ड साड़ियां तथा कई विशेष हैंडलूम उत्पाद भी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं।

प्रदर्शनी में आए आगंतुकों ने यहां उपलब्ध वस्त्रों की गुणवत्ता, डिजाइन और विविधता की सराहना की। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक फैशन का सुंदर संगम इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रहा है, जो फैशन प्रेमियों और पारंपरिक परिधानों के शौकीनों को खासा आकर्षित कर रहा है।

आयोजक मानस आचार्य और जावेद मकसूद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश के बुनकरों को एक मजबूत मंच प्रदान करना और लोगों को भारतीय सिल्क व हैंडलूम की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुनकरों को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और भारतीय हस्तकरघा उद्योग को भी प्रोत्साहन मिलता है।

आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे प्रदर्शनी में आकर देश के कुशल बुनकरों के हुनर को देखें और भारतीय सिल्क व हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा दें। यह प्रदर्शनी आगामी दिनों तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

सोनालीका ने फरवरी में अब तक की सर्वाधिक 12,890 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की

जैसे-जैसे देश के अलग-अलग क्षेत्रों में आधुनिक कृषि तकनीक से उन्नत और किफायती कृषि रही है, सोनालीका उत्पादों में नए इनोवेशन, किसानों से मजबूत जुड़ाव और तेज बाजार पहुंच के माध्यम से लगातार आगे बनी हुई है।

लखनऊ, 6 मार्च 2026 : देश में कृषि मशीनीकरण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के अपने 30वें ऐतिहासिक वर्ष में, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने एक और सुनहरा अध्याय जोड़ते हुए वित्त वर्ष '26 में फरवरी माह की अब तक की सर्वाधिक 12,890 ट्रैक्टरों की कुल बिक्री दर्ज की है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बड़े स्तर पर मजबूत कार्या नीति और कंपनी के मूल विश्वास 'जीतने का दम' का प्रमाण है — जो किसानों के उज्ज्वल भविष्य की ताकत है। आज जब देश में आधुनिक कृषि तकनीक से उन्नत और किफायती कृषि रही है, सोनालीका इनोवेशन, किसानों से गहरा जुड़ाव और मजबूत बाजार पहुंच के साथ लगातार आगे बढ़ रही है।

भारत का कृषि क्षेत्र इस समय एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है,

जहाँ सरकारी नीतियों का सहयोग, डिजिटल पहल के माध्यम से बढ़ता मशीनीकरण, आसान ऋण सुविधा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में निवेश किसानों की आय और उत्पादकता को मजबूत बना रहे हैं। सोनालीका ने हमेशा वैश्विक स्तर की इंजीनियरिंग को अपनाते हुए भविष्य के लिए तैयार ट्रैक्टर विकसित किए हैं, जैसे की हाल ही में लॉन्च की गई सोनालीका गोल्ड सीरीज, जो जमीनी कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप है और सोने की तरह सुरक्षित एवं दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करती है।

इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, 'असली 'जीतने का दम' हमेशा उन किसानों में रहा है, जो हर दिन अपने खेतों में प्रगति बोते हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे हेवी ड्यूटी ट्रैक्टर तैयार करें जो किसानों के सपनों और उनकी सफलता के संकल्प को और मजबूत बनाएं। भारत के कृषि परिवर्तन में हमारी भूमिका को और मजबूत करती है और हमें किसानों की प्रगति को देश की समृद्धि से जोड़ने की नई प्रेरणा देती है।'

होंडा इंडिया फाउंडेशन ने 'सड़क सहायकः सुरक्षित मार्ग, सुरक्षित जीवन' परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस को 50 कस्टमाइज्ड होंडा सीबी 350 क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) वाहन सौंपे।

राज्य में सड़क सुरक्षा, सामुदायिक कल्याण और तेज आपातकालीन प्रतिक्रिया को समर्थन।

लखनऊ, 06 मार्च 2026: सुरक्षित समुदायों के निर्माण में सहयोग देने और 2050 तक टक्कर-मुक्त समाज के होंडा के वैश्विक लक्ष्य की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, होंडा इंडिया फाउंडेशन (HIF) जो भारत में होंडा समूह की सभी कंपनियों की उरफ शाखा है ने अपने 'सड़क सहायकः सुरक्षित मार्ग, सुरक्षित जीवन' प्रोजेक्ट के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस को 50 विशेष रूप से सुसज्जित होंडा CB350 क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) वाहन सौंपे।

यह पहल होंडा इंडिया फाउंडेशन के व्यापक सड़क सुरक्षा और सामुदायिक कल्याण कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में जमीनी स्तर पर गतिशीलता बढ़ाना, आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत करना और सुरक्षित सड़क प्रबंधन को समर्थन देना है।

सड़क सुरक्षा पहलों को मजबूत करने के लिए गुजरात, चंडीगढ़, कर्नाटक और राजस्थान पुलिस को 300 से अधिक होंडा दफ्फ वाहन पहले ही सौंपे जा चुके हैं। यह सहयोग सड़क सुरक्षा और समुदाय की मजबूती को आगे बढ़ाने के लिए होंडा इंडिया फाउंडेशन की सार्वजनिक-निजी साझेदारी पर लगातार फोकस को दशार्ता है। यह पहल सुरक्षित सड़कों और बेहतर तरीके से प्रबंधित ट्रैफिक सिस्टम के साझा विजन को भी उजागर करती है।

यह समारोह लखनऊ के लोक भवन में आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री एस.पी. गोयल, गृह एवं सूचना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री संजय प्रसाद, उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉजिस्टिक्स) श्री राम कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) श्री अमिताभ यश और होंडा इंडिया फाउंडेशन के सलाहकार तथा होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड में वाइस प्रेसिडेंट कॉर्पोरेट अफेयर्स श्री पीयूष मित्तल सहित उत्तर प्रदेश पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर दफ्फ वाहनों का औपचारिक हस्तांतरण किया गया।

होंडा उइ350 पर आधारित ये दफ्फ वाहन रिवॉल्विंग फ्लैशर और ब्लिंकर, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, सायरन, फ्लैशलाइट, साइड और रियर स्टोरेज बॉक्स तथा दो होंडा सेफ्टी हेलमेट से सुसज्जित हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य पुलिस टीमों को घनी आबादी और संवेदनशील क्षेत्रों में तेजी से प्रतिक्रिया देने में मदद करना है। ये वाहन आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत करने और पुलिस कर्मियों को अपने दायित्वों को प्रभावी और सुरक्षित तरीके से निभाने के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के लिए तैयार किए गए हैं। गतिशीलता और फुर्ती को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए ये वाहन अधिकारियों को महत्वपूर्ण स्थानों तक तेजी से पहुंचने में मदद करते हैं, जिससे जान बचाने, चोटों को कम करने और जमीनी स्तर पर कानून-व्यवस्था की कार्यक्षमता बेहतर बनाने में सहायता मिलती है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने फरवरी 2026 में 5.67 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

पिछले वर्ष की तुलना में कुल बिक्री में 34% की सालाना वृद्धि दर्ज की

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने फरवरी 2026 में कुल 5,67,351 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,13,190 यूनिट घरेलू बाजार में और 54,161 यूनिट निर्यात के रूप में शामिल हैं।

कंपनी ने फरवरी 2025 की तुलना में 34% की सालाना वृद्धि दर्ज की। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एचएमएसआई के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दशार्ता है।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) की वर्ष-से-तारीख अवधि के दौरान, एचएमएसआई ने कुल 58,20,556 यूनिट की बिक्री दर्ज की। इसमें 52,37,169 यूनिट घरेलू बिक्री और 5,83,387 यूनिट निर्यात शामिल हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

हिंद मेडिकल इंस्टीट्यूट में फजीवर्ाड़े का आरोप

लखनऊ। मानवेंद्र सिंह पटेल हिंद इंस्टीट्यूट के ट्रस्टी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कई गंभीर आरोप लगाए है। उनका कहना है वर्ष 2004 में हुई डीड में मेन ट्रस्टी डॉ अमोद कुमार सचान, सुशीला चौधरी,डॉ हरीश चंद्रा, मिस ऋचा मिश्रा, सुनील कुमार वर्मा, ब्रिज किशोर सिंह,मधु चौधरी थे। ट्रस्टियों को गुमराह करते हुए ओरिजिनल स्टाम्प पर छेड़छाड़ कर डॉ अमोद कुमार ऋचा मिश्रा का नाम रखा गया, अब डॉ अमोद कुमार फजीर्वाड़ा करने के फिराक में है। उन्होंने प्रेस कांग्रेस के दौरान कहा कि हिंद मेडिकल इंस्टीट्यूट में फर्जी तरीके से सैकड़ों करोड़ का लोन कराया गया। बैंक ने बिना सर्वे जांच के लिए लोन स्वीकृत कर दिया। जब इसकी जानकारी ओरिजिनल ट्रस्टियों को हुई।जिसके बाद 2 फरवरी को थाना कैसरबाग में 156/3 में मुकदमा दर्ज कराया गया, ल्ाूंल्ल' पर आरोप लगाते हुए कहा कि इतना बड़ा लोन देने से पहले ट्रस्टियों के हस्ताक्षर की जांच करानी चाहिए थी जो कि नहीं

किया गया। इंस्टीट्यूट के मेन ट्रस्टियों ने ाँू को मेल कर कहा जाली हस्ताक्षर पर कैसे लोन दे दिया गया। जबकि आम आदमी महज कुछ हजार का अगर लोन लेने किसी बैंक में जाता है तो उसके दस्तावेजों की कई बार जांच होती है उसके बाद ही लोन स्वीकृत किया जाता है। पटेल ने कहा कि डॉ सचान ने सपा विधायक अरमान व दर्जनों रायफल धारियों के साथ इंस्टीट्यूट में पहुंचने व तोड़फोड़ का भी आरोप लगाया है।उन्होंने डॉ के साथ सपा विधायक अरमान खान व समर्थकों पर कॉलेज में जमा हुई फीस व अन्य सोर्स का पैसा करीब 2.5 करोड़ रु उठाने की बात भी कही।उन्होंने आगे कहा कि डॉ सचान ने कई बैंकों से धोखाधड़ी कर कॉलेज के नाम पर करीब 300 करोड़ का लोन कराया है जिसकी जानकारी किसी ट्रस्टी को नहीं है,हिंद मेडिकल कॉलेज वर्तमान समय में यूपी के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में गिना जाता है,उन्होंने कहा कि आखिर फर्जी स्टाम्प व फर्जी हस्ताक्षर पर कैसे ाँू ने बिना सर्वे के लोन दे दिया था।मानवेंद्र पटेल ने कहा कि इतना ही नहीं डॉ सचान ने अपने पावर के दम पर फजीवर्ाड़े पर फर्दा डालने के लिए ओरिजिनल ट्रस्टियों पर ही गलत तरीके से एफआईआर करा दी।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि मामला इंस्टीट्यूट से जुड़ा है जिसमें हजारों छात्र छात्राएं पढ़ती है उनके भविष्य को देखते हुए इस पूरे मामले में निष्पक्ष जांच सरकार कराए जिससे एक बड़े भ्रष्टाचार से पर्दा उठ सके

उससे डॉ सचान की दबंगई का उदाहरण साफ देखा जा सकता है

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा 16 से 28 फरवरी 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा अभियान मनाया गया।

(जीएनएस)।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) ने 16 से 28 फरवरी 2026 तक मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। यह स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

विभाग में वर्ष 2026 स्वच्छता पखवाड़ा के कार्यान्वयन का लगातार 11वां वर्ष है । प्रस्तावित गतिविधि कैलेंडर और विस्तृत दिशा-निर्देश डीएफपीडी से जुड़े सभी संगठनों और कार्यालयों को वितरित किए गए ताकि अभियान में प्रभावी भागीदारी और समन्वित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इस अभियान का शुभारंभ 16 फरवरी 2026 को एक उद्घाटन समारोह के साथ हुआ। इसमें डीएफपीडी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली और स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों का समर्थन करने के अपने संकल्प को दोहराया । यह शपथ डीएफपीडी के

अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार (एएस और एफए) के नेतृत्व में दिलाई गई। इसमें कार्यस्थलों और दैनिक जीवन में स्वच्छता की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस पखवाड़े के दौरान कई गतिविधियाँ चलाई गईं। इनमें एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग को बंद करना, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना और वृक्षारोपण अभियान आयोजित करना शामिल था। स्वच्छता के महत्व को बताने वाले जागरूकता बैनर और पोस्टर विभाग के सभी कार्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए।

स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत के विजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीएफपीडी के अंतर्गत आने वाले सभी संगठनों ने प्रतिदिन इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। स्वच्छ और स्वस्थ कार्यस्थल वातावरण बनाने के लिए कार्यालय परिसर से अनावश्यक सामान हटाना, धूल झाड़ना और स्वच्छता बनाए रखना, कचरे का पृथक्करण करना और शौचालयों सहित सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई जैसे कार्य किए गए।

इस अभियान के अंतर्गत, सफाई मित्रों के बहुमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, कार्यालय परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए किए गए उनके समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए सफाई कर्मचारियों को उपहार भेंट किए गए।

विभाग ने निरंतर जागरूकता और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से स्वच्छता की भावना को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इससे स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र की व्यापक दृष्टि में मदद मिलेगी।

वर्ष 2025-26 के दौरान मुक्त व्यापार समझौतों में भारत की उपलब्धियां

(जीएनएस)।

भारत ने वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में पिछले एक दशक में एक निर्णय लेने में सक्षम एवं आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनायी है। भारत ने वैश्विक व्यापार की दिशा को न केवल नए सिरे से परिभाषित किया है, बल्कि आधुनिक, भविषयोन्मुखी और नए दौर के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मुक्त व्यापार समझौतों के अपने दायरे को विस्तार दिया है और अब तक 38 देशों के साथ कुल नौ एफटीए तक अपनी पहुंच बनाई है। इसकी शुरूआत वर्ष 2021 में भारत-मॉरीशस समझौते से हुई। इसके बाद मई 2022 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हुआ। दिसंबर 2022 में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता प्रभावी हुआ। इसके बाद भारत ने 10 मार्च 2024 को यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ई एफ टी ए) के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टी ई पी ए) पर हस्ताक्षर किए, जो 1 अक्टूबर 2025 से लागू हुआ। जुलाई 2025 में भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सी ई टी ए) पर हस्ताक्षर किए गए और दिसंबर 2025 में भारत-ओमान सी ई पी ए संपन्न हुआ। इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 22 दिसंबर 2025 को भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा की गई और 27 जनवरी 2026 को भारत-यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर सहमति बनी। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भी 7 फरवरी 2026 को एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनाकर भारत ने वैश्विक व्यापार में अपनी मजबूत उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है।

दुनिया के अलग-अलग देशों और समूहों के साथ किया जाने वाला हर एक समझौता अपने आप में विशिष्ट है जो भारत के विशाल बाजार, भारत की आर्थिक क्षमता तथा 1.4 अरब भारतीयों की क्षमताओं पर वैश्विक भरोसे का प्रतीक है।

ये समझौते हमारे किसानों के लिए हैं, जिनके उत्पादों को अब विकसित देशों के बाजारों तक पहुंच मिल रही है। ये हमारे उद्यमियों और महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एम एस एम ई) के लिए हैं, जो परिधान, चमड़ा और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों का निर्यात नई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के साथ कर रहे हैं। ये समझौते हमारे प्रतिभाशाली युवाओं के लिए भी हैं—हमारे विद्यार्थी, आईटी पेशेवर, शेफ और योग प्रशिक्षक—जिन्हें अब काम करने, पढ़ाई करने और अपने भविष्य का निर्माण करने के लिए अधिक विकल्प और स्पष्ट गतिशीलता के अवसर मिल रहे हैं। इन समझौतों में विदेशों में पढ़ाई के बाद कार्य वीजा, पेशेवर गतिशीलता और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी छूट के भी प्रावधान शामिल हैं। ये समझौते जैविक उत्पादों और आयुष की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करते हैं। साथ ही, ये डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र को भी सशक्त बनाते हैं, जो वैश्विक स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के विकास को गति दे रही हैं। इसके अतिरिक्त, ये समझौते निवेश को प्रोत्साहित करने और हमारे मुक्त व्यापार समझौता (एफ टी ए) साझेदार देशों को भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय भागीदार बनाने का भी कार्य कर रहे हैं।

भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत खुलेपन, संतुलन और आत्मनिर्भर भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए की है। इन समझौतों में डेयरी, कृषि, किसानों और घरेलू उद्योग जैसे सभी संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की रक्षा की गई है तथा बाजार तक पहुंच को सावधानीपूर्वक सुरक्षित रखा गया है। यह भारत की मजबूत और आत्मविश्वासी वातार्कार क्षमता को दशार्ता है, जिसके माध्यम से वैश्विक व्यापार में परिवर्तन के एक नए युग की शुरूआत हो रही है और हमारे नागरिकों की आकांक्षाओं को साकार किया जा रहा है। भारत विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाते हुए आगे बढ़ रहा है।

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने रांची में एडवांस्ड आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया

यूआईडीएआई आधार सेवाओं को और मजबूत कर रहा है, झारखंड रांची में आधार सेवा केंद्रों की संख्या बढ़ेगी

(जीएनएस)।

6 मार्च 2026 को, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने एस्टेट प्लाजा, कांटा टोली, रांची स्थित एडवांस्ड आधार सेवा केंद्र (एएसके) का उद्घाटन किया। इस एडवांस्ड आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन रांची और आसपास के क्षेत्रों में आधार सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्र को उन्नत तकनीकी सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया गया है ताकि आधार नामांकन और अपडेट सेवाएं तेज, पारदर्शी और निवासियों के अनुकूल तरीके से प्रदान की जा सकें।सकें। इस आधार सेवा केंद्र के दैनिक संचालन का प्रबंधन प्रोटियन ईगव टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

कई जिलों में आधार केंद्र खुलेंगे

पहले, झारखंड में यूआईडीएआई आधार सेवा केंद्र केवल तीन जिलों रांची, धनबाद और पूर्वी सिंहभूम में उपलब्ध थे। अब, मौजूदा केंद्रों के अलावा, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, गोड्डा, दुमका, साहिबगंज, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा और पलामू में चरणबद्ध तरीके से नए आधार सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

इस अवसर पर, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने यूआईडीएआई के

प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता, दक्षता और सुविधा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर और फिर 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर करवाएं, ताकि वे छात्रवृत्ति जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें और नीट तथा सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं के पंजीकरण में किसी समस्या का सामना न करें।

कार्यक्रम में मौजूद राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी माता-पिता से बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट कराने और स्कूलों से यूआईडीएआई की मिशन मोड कैंपेन के तहत एमबीयू बैकलॉग कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, रांची के उप निदेशक महानिदेशक अखिलेश कुमार गुप्ता और निदेशक नीरज कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

विकलांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए अलग काउंटर*

कांटा टोली के आधार केंद्र में विकलांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए अलग-अलग काउंटर स्थापित किए गए हैं ताकि उन्हें सेवाओं तक आसानी से पहुंच मिल सके। स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए एक फीडिंग रूम भी उपलब्ध कराया गया है। यहां जन्म पंजीकरण संख्या (बीआरएन)-आधारित बाल नामांकन भी लागू किया जा रहा है।

जीईएम ने समावेशी सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देने के लिए स्वायत्त पहल के सात वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया

स्वायत्त ने जीईएम के माध्यम से स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और एसएचजी के लिए सरकारी खरीद तक पहुँच का विस्तार किया

महिला उद्यमियों ने जीईएम पर 83,323 करोड़ रुपये के ऑर्डर दर्ज किए; स्वायत्त के तहत स्टार्टअप्स ने 54,000 करोड़ रुपये का आँकड़ा पार किया

(जीएनएस)।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने आज अपनी प्रमुख पहल स्वायत्त - ई-लेन-देन के माध्यम से स्टार्टअप्स, महिलाओं और युवाओं को लाभ- के सात वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाते हुए देशभर के स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और युवाओं के लिए सार्वजनिक खरीद को अधिक समावेशी बनाने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

19 फरवरी 2019 को लॉन्च की गई स्वायत्त पहल की परिकल्पना स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों, युवाओं, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और अंतिम छोर के विक्रेताओं को सरकारी ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से सार्वजनिक खरीद इकोसिस्टम में सीधे भाग लेने में सक्षम बनाते हुए सरकारी खरीद प्रणाली को सर्वसुलभ बनाने के विजन के साथ की गई थी।

जीईएम के सामाजिक समावेशन के मूल सिद्धांत पर आधारित स्वायत्त पहल उभरते उद्यमों के समक्ष अक्सर आने वाली तीन प्रमुख चुनौतियों—बाजार तक पहुँच, वित्त तक पहुँच और मूल्य संवर्धन तक पहुँच —से निपटने पर केंद्रित है। जीईएम के डिजिटल खरीद से संबंधित बुनियादी ढाँचे का उपयोग करते हुए यह पहल देशभर के उद्यमों को सरकारी खरीदारों से सीधे जुड़ने में सक्षम बनाती है, जिससे प्रवेश की बाधाएँ कम होती हैं और अवसरों का विस्तार होता है।

स्वायत्त की सात वर्षीय यात्रा को चिह्नित करने के लिए जीईएम कार्यालय में एक स्मारक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नीति-निमार्ताओं, स्टार्टअप संस्थापकों, महिला उद्यमियों और इकोसिस्टम साझेदारों ने भाग लिया, जहां पहल के प्रभाव और इसके भविष्य के रोडमैप पर विचार किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत जीईएम के अपर सीईओ श्री अजीत बी. चव्हाण द्वारा स्वायत्त पर अपना परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करने के साथ हुई। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के विशेष संबोधन भी शामिल रहे, जिनमें एनईडीएआर फाउंडेशन के सह-संस्थापक और निदेशक श्री के. वी. राजेंद्रन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के निदेशक श्री मोहम्मद सालिक परवेज, तथा उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के उप निदेशक श्री मोहम्मद आलम अंसारी शामिल थे।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों ने भी जीईएम के माध्यम से सार्वजनिक खरीद में भागीदारी के अपने अनुभव साझा किए। क्लब फर्स्ट रोबोटिक्स की संस्थापक श्रीमती नीलिमा मिश्रा और सरप्राइज समवन की संस्थापक सुश्री पिंकी माहेश्वरी ने बताया कि किस प्रकार जीईएम ने उनके उद्यमों को सरकारी बाजारों तक पहुँच बनाने और अपने व्यवसाय को विस्तार देने में मदद की है।

इस दौरान स्वायत्त की सात वर्ष की यात्रा को दशार्ने वाली एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसमें यह दिखाया गया कि इस पहल ने किस प्रकार देशभर में स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है।

जीईएम के सीईओ श्री मिहिर कुमार ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि स्वायत्त पहल स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और युवाओं को सरकारी बाजारों तक सीधे पहुँच कायम करने में सक्षम बनाते हुए सार्वजनिक खरीद को अधिक समावेशी बनाने के जीईएम के विजन को साकार करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक और इकोसिस्टम की विभिन्न साझेदारियों का उपयोग करके जीईएम उभरते उद्यमों को देश की आर्थिक वृद्धि में सक्रिय भागीदार बनने में मदद कर रहा है।

मामूली विवाद में दलित युवक की पिटाई, लाइसेंसी बंदूक से दी जान से मारने की धमकी

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के डुडियापुर मजरे जहांगीर नगर गहुरा गांव में मामूली विवाद को लेकर दबंगों द्वारा एक दलित युवक के साथ मारपीट करने और लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गांव निवासी बाबूलाल पासवान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 मार्च 2026 की सुबह करीब 11:30 बजे गांव में आलोक दुबे और सोनकर बिरादरी के कुछ लोगों के बीच विवाद हो रहा था। उसी दौरान वह घर के लिए सामान लेने दुकान की ओर जा रहा था। आरोप है कि उसे देखते ही आलोक दुबे गाली-गलौज करने लगे और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे सौरभ दुबे, आशीष व अन्य युवकों ने भी मिलकर उसके साथ मारपीट की।

पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान आलोक दुबे घर से लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक निकाल लाए और उसे लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे गांव में दहशत फैल गई। पीड़ित ने बंदूक लहराने का एक वीडियो भी पुलिस को सौंपने की बात कही है। हालांकि अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच करके उचित कार्रवाई किया जाएगा

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया

वीरता, त्याग और बलिदान की पर्याय CISF आधुनिकता को अपनाकर राष्ट्र की सुरक्षा की ढाल बनी है

अपनी स्थापना के 56 वर्ष पूरे औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में शून्य से शिखर तक पहुँचने वाली उक्त्रक्ष के बिना भारत के औद्योगिक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती

संसद से लेकर देश के प्रमुख संस्थानों और क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा में अपना लोहा मनवाने वाली उक्त्रक्ष अब देश के बंदरगाहों की सुरक्षा भी करेगी

मोदी जी ने 2047 तक देश को पूरी तरह विकसित बनाने का जो लक्ष्य रखा है, उसमें उक्त्रक्ष कैटेलिस्ट की भूमिका निभा रहा है

भारत के 70 हवाई अड्डों सहित 361 महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा करने वाली उक्त्रक्ष को मोदी सरकार ने ड्रोन सुरक्षा में भी नोडल एजेंसी बनाया

आने वाले दिनों में उक्त्रक्ष निजी औद्योगिक समूहों को भी हाइब्रिड मोड में सुरक्षा देगी

नक्सलवाद को अंत के कगार पर लाने में CISF की अहम भूमिका रही है

तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर का सपना देखने वाले नक्सलियों को 31 मार्च 2026 तक हमारे सुरक्षा बल पूरी तरह परास्त कर देंगे

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आज ₹890 करोड़ की लागत से उक्त्रक्ष से जुड़े 3 आवासीय परिसरों (कामरूप, नासिक और सीहोर) का शिलान्यास और 2 आवासीय परिसरों (राजरहाट और दिल्ली) का लोकार्पण किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज ओडिशा के मुंडली में उक्त्रक्ष के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने आज ₹890 करोड़ की लागत से CISF से जुड़े 3 आवासीय परिसरों (कामरूप, नासिक और सीहोर) का शिलान्यास और 2 आवासीय परिसरों (राजरहाट और दिल्ली) का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, केन्द्रीय गृह

सचिव और महानिदेशक, उक्त्रक्ष सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज 56 वर्ष पूरे कर उक्त्रक्ष औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में शून्य से शिखर तक पहुंची है जो बल के पुरुषार्थ की गाथा है। उन्होंने कहा कि देश, देश के मजबूत अर्थतंत्र और भारत को दुनिया का सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाने की संकल्पना औद्योगिक विकास के बिना नहीं हो सकती और औद्योगिक विकास को सुरक्षित वातावरण देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक औद्योगिक सुरक्षा बल की जरूरत है। श्री शाह ने कहा कि पिछले 56 साल में CISF ने न सिर्फ अपनी स्थापना के उद्देश्यों को सिद्ध किया है बल्कि हर प्रकार की चुनौतियों से सीखते हुए समय के साथ अपने आप को बदलने का प्रयास भी किया है। उन्होंने कहा कि उक्त्रक्ष ने आधुनिकता को भी अपनाया है और परंपराओं को भी जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि CISF ने वीरता, त्याग, बलिदान और भारत के समृद्ध इतिहास की परंपरा के साथ एकाग्रता को जोड़कर आधुनिक हथियारों से लैस होकर हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करने का जज्बा दिखाया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत के औद्योगिक विकास की संकल्पना CISF के बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि CISF हमेशा राष्ट्र की ढाल बनकर मजबूती के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में गृह मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि सारे बंदरगाहों की सुरक्षा उक्त्रक्ष को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 महत्वपूर्ण संकल्प देश की जनता के सामने रखे हैं - 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनना और हर क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर पहुंचना और 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उक्त्रक्ष एक कैटलिस्ट की भूमिका निभा रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उक्त्रक्ष कर्मियों के बलिदान ने हमेशा देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि CISF कभी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटी। उन्होंने कहा कि आज यहां 9 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक, 2 सर्वश्रेष्ठ वाहिनी पदक, अंतरराष्ट्रीय खेलों में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिलने वाले पदक इस बात के साक्षी हैं कि हर क्षेत्र में CISF उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार रहती है। श्री शाह ने कहा कि अब तक 56 साल में वीरता और विशिष्ट सेवा के लिए 13,693 पदक प्राप्त करने वाली CISF ने एक बल के नाते अपनी दक्षता का परिचय दिया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज यहां ₹890 करोड़ की 5 अलग-अलग परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि राजरहाट का आवासीय परिसर और मैदानगढ़ी का आवासीय परिसर पूर्ण हो गया है जो हमारे जवानों और उनके परिजनों को सुविधा देगा। उन्होंने कहा कि आज यहां CISF की वार्षिक पत्रिका का भी लोकार्पण हुआ है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज CISF भारत के 70 हवाई अड्डों सहित देश के 361 महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रोन सुरक्षा में भी उक्त्रक्ष को नोडल एजेंसी की भूमिका दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 1 साल में कर्तव्य भवन, सेवा तीर्थ, नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नवी मुंबई हवाई अड्डा, लेंगपुई हवाई अड्डा, जवाहरपुर तापविद्युत परियोजना, भाखड़ा बांध परियोजना, जैसी कई परियोजनाओं की सुरक्षा काम उक्त्रक्ष को सौंपा गया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि अब पोर्ट सुरक्षा संभालने के बाद देश की बहुत बड़ी समुद्री सीमा में आने वाले बंदरगाहों की सुरक्षा भी उक्त्रक्ष करेगा। उन्होंने कहा कि हमने 4 साल पहले CISF को हाइब्रिड मोड में एक मॉडल विकसित कर निजी औद्योगिक समूहों को भी सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया था जो सर्वाधिक आधुनिक उपकरणों के साथ तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में CISF निजी औद्योगिक समूहों को भी हाइब्रिड मोड में सुरक्षा देगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 को हम देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे और उसमें भी उक्त्रक्ष का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि ओडिशा, छत्तीसगढ़ या तेलंगाना में उक्त्रक्ष ने नक्सलरोधी अभियान में अपनी भूमिका निभाई है।

शादी समारोह में महिला से मारपीट, चार महिलाओं के खिलाफ तहरीर

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के रहमतपुर गांव में शादी समारोह में शामिल होने आई एक महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने चार महिलाओं के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम औरहट निवासी जुबेदा बेगम पत्नी स्व. रईस अहमद ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह 6 मार्च को रहमतपुर गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गई थीं। आरोप है कि दोपहर करीब 2:30 बजे रहमतपुर की रहने वाली नाहिद बेगम पत्नी तौफीक ने उन पर आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो वहां मौजूद सना बानो, सबीना बेगम और इकरा बानो ने मिलकर उनके साथ लात-घूंसे से मारपीट कर दी।

पीड़िता का आरोप है कि इस घटना से वह काफी आहत हुई हैं। उन्होंने आरोपित महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इंदिरा नगर की मस्जिद कोहना पीर बाबा में इज्तेमाई रोजा इफ्तार, देश में अमन-चैन की दुआ

मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में हुआ आयोजन, सैकड़ों रोजेदारों ने की शिरकत

(जीएनएस)।

लखनऊ। मस्जिद कोहना पीर बाबा में मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी की निगरानी में इज्तेमाई रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी तादाद में रोजेदारों ने रोजा इफ्तार किया और देश में अमन-चैन, भाईचारे तथा खुशहाली के लिए दुआ मांगी।

मस्जिद के सदर जनाब रियाज अहमद एवं जनरल सेक्रेटरी जनाब मुर्तजा अली ने कार्यक्रम में सहयोग के लिए प्रशासन और रोजेदारों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में आपसी मोहब्बत और एकता को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के सदर अहमद राजा, नायक सदर मोहम्मद साबिर खान, जनरल सेक्रेटरी मुस्तकीम अहमद सिद्दीकी, खालिद इस्लाम, अब्दुल मोईद, मस्जिद के इमाम कारी जाकिर हुसैन तथा लड्डन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इफ्तार के बाद सभी रोजेदारों ने देश की तरक्की, अमन-चैन और भाईचारे के लिए सामूहिक दुआ की।

मुख्यमंत्री योगी का आ रहे आज मथुरा : श्रीकृष्ण जन्मभूमि में करेंगे दर्शन-पूजा

मथुरा (जीएनएस)।सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन का आधिकारिक कार्यक्रम जारी हो गया है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आज आगरा में हो रहे कार्यक्रम में शामिल होने के बाद श्रीकृष्ण की नगरी में मथुरा पहुंचेंगे। मथुरा पहुंचने पर वह विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ धार्मिक स्थलों में दर्शन-पूजा करेंगे। मुख्यमंत्री के मिनट टू मिनट कार्यक्रम के मुताबिक वह हेलीकॉप्टर द्वारा दोपहर 2:10 बजे वृंदावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद वह दोपहर 2:20 यमुना एक्सप्रेस-वे के क्षेत्रीय कार्यालय के सभाकक्ष पहुंचेंगे, जहां उत्तर प्रदेश ब्रज विकास तीर्थ परिषद की बैठक में पहुंच कर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके उपरांत वह 3:30 वृंदावन स्थित अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण करेंगे। इसीक्रम में शाम शाम 4 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़क मार्ग द्वारा श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचेंगे, जहां वह पुराने समय के दौरान ठाकुर जी के दर्शन करके पूजा अर्चना करके विश्राम करेंगे। इसके बाद शाम 4:40 बजे दर्शन-पूजा के बाद वह पवन हंस हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

ब्रज की लोक परंपराएं हैं हमारी सांस्कृतिक की पहचान : किशन चौधरी

-मुखराई में 108 दीपों के साथ हुआ चरकुला नृत्य, जिला पंचायत अध्यक्ष और विधायक ने संयुक्त रूप से किया शुभारंभ

(जीएनएस)।ब्रज की अधिष्ठात्री देवी श्रीराधारानी की ननिहाल गांव मुखराई में बीतीरात 5 हजार वर्ष पुरानी परंपरा पुनः जीवंत हो उठी। गांव मुखराई की महिलाओ ने परंपरागत तरीके से विश्व प्रसिद्ध चरकुला नृत्य कर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी और गोवर्धन विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह और पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष (गोवर्धन) ठाकुर परशुराम ने चरकुला नृत्य का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर पूरा गांव राधारानी की नानी "मुखरा देवी" के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मुख्य अतिथियों का ब्रज लोक कला फाउंडेशन के दानी शर्मा, रामकिशोर शर्मा और राहुल दुबे समेत अन्य गणमान्य नागरिकों ने पटुका पहनाकर व श्रीराधाकृष्ण की छवि भेंटकर स्वागत किया। चरकुला नृत्य का मुख्य आकर्षण वह क्षण रहा जब महिला कलाकारों ने अपने सिर पर 108 जलते दीपकों का भारी-भरकम पिंजरा (चरकुला) रखकर नृत्य का प्रदर्शन किया। इस कठिन साधना और संतुलन को देख उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया। नृत्य की शुरूआत जय देवी ने ठाकुर मदनमोहन जी के द्वार से की, जिसके बाद जानकी, विजय देवी, उर्मिला देवी और नीतू जैसी नृत्यांगनाओं ने बारी-बारी से अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया। "जुग-जुग जियो तुम नाचन हारि" की गूंज व लोकगीतों की मधुर तान के बीच जहां हुरियारिनों ने हुरियारों पर प्रेम पगी लाठियां बरसाईं तो वहीं हुरियारों ने 'जुग-जुग जियो तुम नाचन हारि' जैसे पारंपरिक लोकगीतों से नृत्यांगनाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने उपस्थित जनसमूह के साथ ब्रज की प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का आनंद लिया तथा चरकुला नृत्य के माध्यम से ब्रज की लोक संस्कृति और विरासत को सहेजने के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ब्रज की लोक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं, जिन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ब्रज लोक कला फाउंडेशन के दानी शर्मा ने बताया कि चरकुला नृत्य की शुरूआत मुखराई गांव से ही मानी जाती है। उन्होंने बताया कि राधारानी के जन्म की खुशी में उनकी नानी मुखरा देवी ने रथ के पहिए को सिर पर रखकर नृत्य किया था। इसी परंपरा की स्मृति में हर वर्ष होली की दौज पर मुखराई में यह उत्सव मनाया जाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनपरा में आगामी महावीरी झंडा जुलूस को लेकर थानाध्यक्ष अनपरा ने विभिन्न कमेटी के साथ की बैठक।

(जीएनएस)।

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा के ऐतिहासिक माहबीरी झंडा को लेकर निकलने वाले आगामी महावीरी झंडा जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से अनपरा थाना परिसर में थाना अध्यक्ष अनपरा सतेंद्र राय ने महावीरी झंडा जुलूस कमेटी के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ बैठक की।

बैठक में जुलूस के मार्ग, समय, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। थाना अध्यक्ष ने कमेटी के सदस्यों से कहा कि जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जुलूस में डीजे की आवाज निर्धारित मानक के अनुरूप रहे और जुलूस तय मार्ग से ही निकाला जाए, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

कमेटी के सदस्यों ने भी प्रशासन को आश्वस्त किया कि महावीरी झंडा जुलूस को शांतिपूर्ण व अनुशासित तरीके से निकाला जाएगा और सभी श्रद्धालु प्रशासन के निदेर्शों का पालन करेंगे।

इस दौरान पुलिस कर्मियों के साथ-साथ महावीरी झंडा जुलूस कमेटी के कई सेंटल कमेटी के सदस्य व अन्य पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर 5,100 से अधिक महिला कर्मचारियों को तैनात किया

एनएचएआई तैनात महिला कर्मचारियों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिला कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा

इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समावेशिता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर सेवा वितरण में सुधार करना है

(जीएनएस)।

टोल संचालन में महिलाओं के सशक्तिकरण और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देश भर के राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे नेटवर्क पर 1,140 से अधिक टोल प्लाजा पर टोल बूथों के प्रबंधन के लिए दिन की पाली (डे शिफ्ट) के दौरान 5,100 से अधिक महिला कर्मचारियों को तैनात किया है। अग्रिम पंक्ति की परिचालन भूमिकाओं में विशेष रूप से महिला कर्मचारियों को तैनात करने का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकताओं के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से बेहतर बनाना है। इसका लक्ष्य एक कुशल, सहानुभूतिपूर्ण और उपयोगकर्ता के अनुकूल वातावरण तैयार करना है, साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर विवादों की संभावना को कम करना है ।

यह निर्णय विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श और चर्चा के बाद लिया गया है। इसमें टोल प्लाजा संचालक तथा प्रमुख उद्योग संगठनों जैसे नेशनल हाइवेज बिल्डर फेडरेशन (एनएचबीएफ), हाइवे ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचओएआई) और ऑल इंडिया यूजर फी कॉन्ट्रैक्टर्स फेडरेशन (एआईयूसीएफ) शामिल थे। सभी टोल संचालकों ने टोल प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह के लिए दिन की पाली में महिला कर्मचारियों की तैनाती पर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है। अब तक 5,100 से अधिक महिला टोल कर्मचारी तैनात की जा चुकी हैं और निकट भविष्य में और भी महिलाओं के जुडने की संभावना है।

एनएचएआई इस पहल के क्रियान्वयन की करीबी निगरानी करेगा, ताकि इसका सही अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना क्षेत्र में उनकी भागीदारी को मजबूत करेगी। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रोजगार सृजन को भी बढावा मिलेगा।

इस पहल के तहत एनएचएआई तैनात महिला कर्मचारियों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान करेगा। प्रशिक्षण राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकताओं के साथ विनम्र व्यवहार, आपातकालीन स्थितियों को संभालने, बुनियादी सुरक्षा प्रोटोकॉल और कुशल टोल प्लाजा संचालन बनाए रखने जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। यह संरचित क्षमता-निर्माण प्रयास एक सुरक्षित और और पेशेवर कार्य वातावरण सुनिश्चित करते हुए सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करेगा।

अग्रिम पंक्ति की परिचालन भूमिकाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करके एनएएचआई का लक्ष्य लैंगिक समावेशिता और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, साथ ही देशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर सेवा वितरण में सुधार करना है।

गौर पूर्णिमा महोत्सव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब : चंद्रोदय मंदिर में महाभिषेक, संकीर्तन और पुष्प होली का हुआ अलौकिक संगम

मथुरा (जीएनएस)।ब्रजमंडल की विश्वविख्यात होली के उल्लास के मध्य फाल्गुन पूर्णिमा के पावन दिवस पर श्री चैतन्य महाप्रभु का 540-वां प्राकट्य महोत्सव वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में दिव्य आध्यात्मिक आभा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातःकाल से ही मंदिर प्रांगण में भक्तों की अविरल धारा प्रवाहित होती रही। नवीन प्रांगण में सुसज्जित फूल बंगला, छप्पन भोग, भव्य पालकी उत्सव, दिव्य महाभिषेक, अखंड हरिनाम संकीर्तन और पुष्पों की होली ने वातावरण को कृष्णमय बना दिया। इस अवसर पर महाभिषेक के दिव्य दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्ति-रस से सराबोर वातावरण में 'हरि बोल' और 'गौर हरि' के जय घोष से सम्पूर्ण परिसर गूंज उठा। देश के विभिन्न नगरों मथुरा, आगरा, लखनऊ, दिल्ली, गुरुग्राम, जयपुर, हरियाणा, ग्वालियर एवं मुरैना से आए भक्तों ने इस अद्भुत आध्यात्मिक उत्सव में सहभागिता की। इस अवसर पर चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष चंचलापति दास ने कलियुग में हरिनाम संकीर्तन की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने श्रीमद्भागवतम् के द्वादश स्कंध से उद्धृत प्रसिद्ध श्लोक प्रस्तुत करते हुए कहा कि "कलेर्दोषनिधे राजन् अस्ति ेको महान् गुणः, कीर्तनादेव कृष्णस्य मुक्तसङ्गः परं व्रजेत्", (श्री.भा. 12.3.51) आदि। चंचलापति दास ने श्लोक का भावार्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि यद्यपि कलियुग समस्त दोषों का भंडार है, तथापि इसमें एक महान गुण निहित है। केवल भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन करने मात्र से मनुष्य समस्त सांसारिक आसक्तियों से मुक्त होकर परम धाम को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक पराक्रमी राजा असंख्य दस्युओं का विनाश कर देता है, उसी प्रकार हरिनाम संकीर्तन मनुष्य के जीवन में संचित दोषों और पापों का नाश कर देता है। संकीर्तन आत्मा को शुद्ध कर उसे भगवान की प्रेमभक्ति से जोड़ देता है। मंदिर परिसर में सुसज्जित फूल बंगले की सुरभि एवं छप्पन भोग की दिव्य रचना ने भक्तों को अलौकिक अनुभव प्रदान किया। पालकी उत्सव में गौरांग महाप्रभु की मनोहारी झांकी ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। पुष्पों की वर्षा के मध्य जब हरिनाम संकीर्तन हुआ, तब ऐसा प्रतीत हुआ कि मानो सम्पूर्ण ब्रजभूमि स्वयं प्रेम-रस में स्नान कर रही हो। गौर पूर्णिमा का यह महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति बन गया। जहां हर हृदय में श्रीकृष्ण चैतन्य का प्रकाश आलोकित होता दिखाई दिया।

इस्पात, लौह अयस्क और उर्वरक यातायात में मजबूत वृद्धि से भारतीय रेल को फरवरी में 14,571 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व प्राप्त हुआ

माल ढुलाई में पिछले वर्ष फरवरी 2026 के 132.48 मीट्रिक टन से लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि होकर 137.72 मीट्रिक टन हो गई है वित्तीय वर्ष के 11 महीनों में अब तक कुल माल ढुलाई 1,503.8 मीट्रिक टन तक पहुंच गई है और राजस्व 1.61 लाख करोड़ रुपये हो गया है

(जीएनएस)।

भारतीय रेल कोयला, इस्पात, उर्वरक, सीमेंट, अनाज और कंटेनर जैसी आवश्यक वस्तुओं के कुशल परिवहन को सुनिश्चित करके देश की आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। फरवरी 2026 में माल ढुलाई परिचालन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में स्थिर वृद्धि दर्ज की गई। इससे विभिन्न क्षेत्रों में रेल-आधारित रसद की निरंतर मांग का पता चलता है।

फरवरी 2026 के दौरान, भारतीय रेल ने 137.72 मिलियन टन माल ढुलाई की। फरवरी 2025 में 132.48 मिलियन टन की तुलना में 3.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस माह के दौरान माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व 14,571.99 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष के इसी माह के 14,151.96 करोड़ रुपये से 2.97 प्रतिशत अधिक है।

परिवहन उत्पादन के मामले में भारतीय रेल के प्रदर्शन में भी मजबूती दर्ज की गई है। माल ढुलाई का एक प्रमुख सूचक, नेट टन किलोमीटर (एनटीकेएम), फरवरी 2026 में 76,007 मिलियन एनटीकेएम तक पहुंच गया, जबकि फरवरी 2025 में यह 72,955 मिलियन एनटीकेएम था। इसमें 4.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रमुख वस्तुओं से संचालित वृद्धि

माल ढुलाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अभी भी प्रमुख क्षेत्र की वस्तुओं द्वारा संचालित है। इस माह के दौरान, भारतीय रेल ने बड़ी मात्रा में कोयला, लौह अयस्क, तैयार इस्पात, उर्वरक, सीमेंट और कंटेनर ढुलाई की। तैयार इस्पात, लौह अयस्क और उर्वरक जैसी वस्तुओं में वृद्धि ने समग्र माल ढुलाई प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रमुख वस्तुओं के क्षेत्र में भी प्रदर्शन उत्साहजनक बना रहा। दैनिक माल ढुलाई की स्थिति में, लौह अयस्क, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (लौह अयस्क को छोड़कर), उर्वरक, खनिज तेल और कंटेनर ईएवं सआईएम यातायात जैसी वस्तुओं में साल-दर-साल उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। लौह अयस्क का लदान पिछले वर्ष के 0.529 मिलियन टन की तुलना में इस वर्ष 0.675 मिलियन टन रहा (27.6 प्रतिशत की वृद्धि), जबकि कच्चा लोहा और तैयार इस्पात का लदान पिछले वर्ष के 0.284 मिलियन टन की तुलना में 0.343 मिलियन टन रहा (20.8 प्रतिशत की वृद्धि)। इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल (लौह अयस्क को छोड़कर) का लदान 0.096 मिलियन टन से बढ़कर 0.141 मिलियन टन हो गया (46.9 प्रतिशत की वृद्धि)। इसी प्रकार, उर्वरक का लदान 0.167 मिलियन टन से बढ़कर 0.184 मिलियन टन (10.2 प्रतिशत की वृद्धि), खनिज तेल का लदान 0.146 मिलियन टन से बढ़कर 0.172 मिलियन टन (17.8 प्रतिशत की वृद्धि) और कंटेनर एक्सआईएम यातायात 0.213 मिलियन टन से बढ़कर 0.251 मिलियन टन (17.8 प्रतिशत की वृद्धि) हो गया।

एआई रोबोट ने तिरुवनंतपुरम में शहरी स्वच्छता की अगली पीढ़ी को शक्ति दी

(जीएनएस)।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में नहरों की सुरक्षित, सटीक और मानव-मुक्त सफाई के लिए एआई-संचालित जी-स्पाइडर (जी-एसपीआईडीईआर) रोबोट तैनात किया है।

हाथ से मैला ढोने की प्रथा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने और उच्च जोखिम वाले और दुर्गम क्षेत्रों में अपशिष्ट हटाने के काम में सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बडा कदम उठाते हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने थंपानूर में रेलवे स्टेशन परिसर के पास अमायिझंचन नहर में एआई-संचालित रोबोटिक नहर-सफाई प्रणाली 'जी-स्पाइडर' तैनात किया है।

अमायिझंचन नहर, विशेष रूप से थंपानूर रेलवे स्टेशन के नीचे स्थित ढका हुआ हिस्सा, कई परिचालन चुनौतियां प्रस्तुत करता है। यहां ऊंचाई की सीमित जगह, लगातार जल प्रवाह, संकुचित कार्य क्षेत्र और सुरक्षित मानव प्रवेश बिंदुओं की अनुपस्थिति जैसी समस्याएं है। इन कारणों से पारंपरिक तरीकों से इस हिस्से की नियमित सफाई और रखरखाव अत्यंत कठिन हो गया था।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय स्व-शासन मंत्री श्री एम.बी. राजेश द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित रोबोटिक नहर सफाई प्रणाली का शुभारंभ किया गया। यह पहल तिरुवनंतपुरम नगर निगम और टेक्नोपार्क-स्थित जेनरोबोटिक इनोवेशन्स के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिन्होंने स्केवेंजर 'बैंडिकूट' भी विकसित किया है।

अधिकारियों के अनुसार, इस उन्नत रोबोटिक प्रणाली की शुरूआत से श्रमिकों को खतरनाक और अस्वच्छ वातावरण में प्रवेश करने की आवश्यकता प्रभावी रूप से समाप्त हो जाएगी। उन्होंने इस पहल को एक क्रांतिकारी कदम बताया, जो परिचालन दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ अपशिष्ट प्रबंधन में सुरक्षा मानकों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करता है।

जेनरोबोटिक इनोवेशन्स द्वारा निर्मित जी-स्पाइडर स्वचालित नहर सफाई रोबोट को जटिल और जोखिम भरे नहर वातावरण में बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह केबल-ड्रिवन पैरेलल रोबोटिक्स (सीडीपीआर) आर्किटेक्चर पर आधारित और एआई-सक्षम विजन और सेंसर इंटेलिजेंस से लैस है, जो जमा हुए कचरे की सटीक पहचान, आकलन करने और उसे हटाने में सक्षम बनाता है।

उन्नत मशीन विजन का उपयोग करते हुए यह प्रणाली अलग-अलग प्रकार के कचरे, जल प्रवाह की स्थिति और संरचनात्मक चुनौतियों को वास्तविक समय में पहचान कर अपने संचालन को स्वतः अनुकूलित कर लेती है। इसकी पांच-डिग्री-स्वतंत्रता वाली रोबोट प्रणाली बायोमिमेटिक क्लॉ-टाइप ग्रैबर से सुसज्जित है, जो मिश्रित और अनियमित मलबे की सटीक पहचान और सुरक्षित हैंडलिंग सुनिश्चित करता है। निकाले गए कचरे को सीधे निर्दिष्ट संग्रहण वाहनों में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जिससे पहचान से लेकर सुरक्षित निपटान तक नहर की सफाई की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः सम्पर्क-रहित हो जाती है।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम द्वारा तैनात जी-स्पाइडर - एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित रोबोटिक प्रणाली - शहरी स्वच्छता के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम है। नहर सफाई के स्वचालन से स्वच्छता से जुडे कर्मियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, क्योंकि इससे विषैली गैसों, दूषित पानी और खतरनाक कचरे के सीधे संपर्क की संभावना कम हो जाती है। उच्च जल स्तर और निरंतर प्रवाह की स्थिति में भी प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया जी-स्पाइडर शहरी जलमार्गों के निरंतर और नियमित रखरखाव को सुनिश्चित करता है। यह प्लास्टिक, नुकीले मलबे और अन्य हानिकारक सामग्री सहित मिश्रित और खतरनाक कचरे को सुरक्षित रूप से निकालने में सक्षम है।

जिससे समग्र स्वच्छता मानकों में सुधार होता है। नियमित और व्यवस्थित सफाई के माध्यम से यह रोबोटिक प्रणाली जल निकासी क्षमता को भी मजबूत करती है, जो शहरी बाढ़ की रोकथाम और स्वच्छ, सुरक्षित शहरी वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जी-स्पाइडर स्वचालित नहर सफाई रोबोट की तैनाती सुरक्षित, यंत्रीकृत और प्रौद्योगिकी-आधारित नहर रखरखाव की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। यह पहल खतरनाक वातावरण में स्वच्छता से जुडे कर्मियों के प्रवेश की आवश्यकता समाप्त कर

आयतुल्लाह खामेनाई की याद में पढ़ी दुआए कुमैल

लखनऊ ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद अली खामेनाई की याद में मुंतजिर-ए-फरज की ओर से विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित नाजिम साहब के इमामबाड़े में दुआए कुमैल का आयोजन किया गया। तिलावते कलामे पाक से शुरू हुए कार्यक्रम में मौलाना अली अब्बास खान ने दुआए कुमैल की तिलावत की, जिसमें उलमा के साथ ही युवा और लोग शामिल हुए। इस मौके पर मौलाना ने रहबरे मोअज्जम आयतुल्लाह सैयद अली खामेनाई की जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा कि वे सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि दुनिया के तमाम कमजोर और मजलूम लोगों की आवाज थे।